Assignment
Class - 4 (पूजा हिन्दी रचना)
अभ्यास - 9 (क्रिया)
(रचना कॉपी में लिखें)

क्रिया (verb)

परिभाषा - जिस शब्द से किसी कार्य (काम) का करना या होना प्रकट हो, उसे क्रिया कहते हैं |जैसे:-
सुशील पुस्तक पढ़ता है|
सूरज निकल रहा है |
सतीश दिल्ली जाएगा |
इन वाक्यों में पढ़ता है, निकल रहा है, जाएगा शब्दों से किसी काम के होने का पता चल रहा है|

क्रियाएँ दो प्रकार की होती है:-
1.सकर्मक क्रिया 2. अकर्मक क्रिया

1.सकर्मक क्रिया- जहाँ कर्ता के कर्म का फल कर्म पर पड़े | अर्थात् कर्ता द्वारा कोई कार्य होता हो | उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं | कर्ता का अर्थ है- करने वाला | सकर्मक शब्द में 'स' का अर्थ है- साथ | अर्थात् कर्म सहित | जैसे:-
(क) रमेश दिल्ली जाएगा |
(ख) रमा खाना खाती है|
(ग) राहुल ने पत्र लिखा |

2. अकर्मक क्रिया -जहाँ कर्ता के कार्य का फल कर्ता पर पड़े| अर्थात् कर्म और फल दोनों कर्ता में ही रहे| उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं| अकर्मक शब्द में 'अ' का अर्थ है- बिना या रहित | कर्म रहित | जैसे:-
(क) मदन हंसता है|
(ख) बालक सोता है|
(ग) हवा चलती है|
(घ) घोड़ा दौड़ता है|
क्रिया के मूल रूप को 'धातु' कहते हैं | जैसे:- 'पढ़ता' शब्द की मूल धातु 'पढ़' है, गाता की मूल धातु 'गा' इत्यादि|

मूल धातु के अंत में 'ना' जोड़ने से क्रिया का सामान्य रूप बनता है| जैसे:-पढ़ + ना= पढ़ना, उठ + ना=उठना इत्यादि|

(Summer holiday homework)

1. भारत के बच्चे एवं प्रकृति की सुषमा कविता याद करें|
2. पाठ-1 से लेकर पाठ-4 सभी प्रश्न-उत्तर याद करें|
3. वर्तनी अभ्यास- (श्रुतलेख में दिए गए प्रत्येक शब्द को तीन-तीन बार अपने कॉपी में लिखें) पाठ -1,2,3,4 - page no 11,18,26,31